KRANTI GURU SHYAMJI KRISHNA VERMA

KACHCHH UNIVERSITY

BHUJ

NEP 2020 CREDIT STRUCTURE

FOR

B. A. (U.G.)

JUNE: 2023

U.G. COURSES IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

(B.A. Courses: Semester I TO II)

BY

BOARD OF STUDIES

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

हिन्दी अभ्यास समिति

नई शिक्षा नीति के तहत शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ से कार्यान्वित

Note: Revised syllabus as on 06/11/2023 and approved

S G Dharmani
Chairman Hindi Board

Gayatri Karapiya
Member Hindi Board

Lavindersinh Labana
Member Hindi Board

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्णवर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER 1 (छमाही / सत्र)

प्रश्नपत्र सूचि

COURSE TYPE	COURSE	CREDIT	Exam Hours	Internal	External	Passing Standard (36%) External/Internal	Total
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE – MAJOR	DSCM-HIN-101 आधुनिक हिन्दी कविता Modern Hindi Poetry	4	2.00	50	50	18/18	100
	DSCM-HIN-102 आधुनिक हिन्दी कहानी Modern Hindi Story	4	2.00	50	50	18/18	100
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE MINOR	DSEM-HIN-101 आधुनिक हिन्दी कविता Modern Hindi Poetry	4	2.00	50	50	18/18	100
MULTI DICIPLINARY COURSE	MD-HIN-101 मानविकीऔर साहित्य (हिन्दी कहानी-साहित्य) Humanities & Hindi Literature- Stories	4	2.00	50	50	18/18	100
ABILITY ENHANCEMENT COURSE	AEC-HIN-101 हिन्दी साहित्य परिचय व् भाषाकौशल – १ Introduction of Hindi Literature & Language Skill - 1	2	1.00	25	25	09/09	50
SKILL ENHANCEMENT COURSE	SEC-HIN-101- मीडिया-लेखन और कला (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) Media- Art & Writing	2	1.00	25	25	09/09	50
VALUE ADDITION COURSE	VAC-HIN-101 पर्यावरण चिंतन (मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम) Environment Contemplation	2	1.00	25	25	09/09	50
Total Credits		22		275	275	99/99	550

SEMESTER 2 **(**छमाही **/** सत्र**)**

प्रश्नपत्र सूचि

Course Type	Course प्रश्नपत्रक्रमांक	Credit	Exam Hours	Internal	External	Passing Standard (40%) External/Internal	Total
DISCIPLINE SPECIFIC COURSE – MAJOR	DSCM-HIN-201 आधुनिक हिन्दी खंड काव्य Modern Hindi Narrative Poem	4	2.00	50	50	18/18	100
	DSCM-HIN-202 हिन्दी उपन्यास Hindi Novel	4	2.00	50	50	18/18	100
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE MINOR	DSEMI- HIN **-** 201 आधुनिक हिन्दी कहानी Modern Hindi Story	4	2.00	50	50	18/18	100
MULTI DICIPLINARY COURSE	MD-HIN-201 मानविकीऔरसाहित्य- उपन्यास Humanities & Hindi Literature-Novel	4	2.00	50	50	18/18	100
ABILITY ENHANCEMENT COURSE	AEC-HIN-201 हिन्दी गद्य साहित्य परिचय व भाषाकौशल्य**-**२ Introduction of Hindi Literature & Language Skill**- 2**	2	1.00	25	25	09/09	50
SKILL ENHANCEMENT COURSE	SEC-HIN-201 कम्प्यूटरअनुप्रयोग Computer Application	2	1.00	25	25	09/09	50
VALUE ADDITION COURSE	VAC-HIN-201 व्यक्तित्व विकास Personality Development	2	1.00	25	25	09/09	50
Total Credits		22		275	275	99/99	550
EXIT COURSE	**प्रयोजन मूलक कौशल्य**	04					

सूचना:- प्रथम वर्ष के अंत अर्थात सत्र १ और २ उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी कॉलेज छोड़ना चाहते है तो वह विद्यार्थी चार क्रेडिड का एक एग्जिट कोर्स (निकासी पाठ्यक्रम) की परीक्षा देकर **सर्टिफिकेट कोर्स इन डिग्री** प्राप्त कर सकते है। इसके लिए विद्यार्थी को लेखित, मौखिक एवं कार्यक्षेत्र अनुरूप फील्डवर्क करना होगा। इस पाठ्यक्रम में सूचित पुस्तक "समान्य हिन्दी"- जैन प्रकाशन मंदिर, पाठ्यक्रम में समाहित मुद्दों का अध्ययन, मनन एवं कार्य करना होगा।

Semester-I

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE (MAJOR) DSCM-HIN-101 (मुख्य हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : आधुनिक हिन्दी काव्य

पाठ्य-पुस्तक :'पद्य परिमल', संपादक : डॉ. सुभाष तलेकर.

प्रकाशन : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ छात्रों को काव्य के मुक्तक स्वरूप से परिचित कराना | ➢ छात्रों को काव्य में निरुपित राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना से अवगत कराना | ➢ छात्रों को काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी देकर समाज और राष्ट्र के उत्थान की प्रेरणा देना | ➢ छात्रों को काव्य में निरुपित विभिन्न विषयों , संवेदनाओं , भावनाओं से रूबरू कराकर उनके प्रति भावात्मक सम्बन्ध स्थापित करना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ छात्र काव्य के मुक्तक स्वरूप से परिचित होंगे | ➢ छात्र काव्य में निरुपित राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना से अवगत होंगे | ➢ छात्र काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी प्राप्त कर समाज और राष्ट्र के उत्थान की प्रेरणा प्राप्त करेंगे | ➢ छात्र काव्य में निरुपित विभिन्न विषयों , संवेदनाओं , भावनाओं से रूबरू होकर उनके प्रति भावात्मकता के साथ जुड़ेंगे	

❖ पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ आधुनिक हिन्दी काव्य की विशेषताएँ ➢ पठित काव्य-रचनाओं की ससंदर्भ व्याख्या
२	➢ भारतेन्दु हरिश्चंद्र -मुकरी ➢ हरिऔध - एक बूँद ➢ मैथलीशरण गुप्त- नवयुवकों से ➢ सुमित्रानंदन पंत - जीवन का अधिकारी ➢ सुभद्राकुमारी चौहान - मेरा जीवन
३	➢ रामधारीसिंह 'दिनकर'- कलम और तलवार ➢ हरिशवंशराय बच्चन - प्रार्थना मत कर ➢ रामेश्वरशुल्क 'अञ्चल'- कांटे कम से कम मत बोओ ➢ भवानीप्रसाद मिश्र - तीर्थयात्री ➢ कुसुम अंसल - वृंदावन
४	➢ जयप्रकाश कर्दम - एक बार फिर आओ ➢ डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल - गज़ल : ज्यो लक्ष्य है मिलेगा ➢ एकांत श्रीवास्तव - गुड़ाई करते समय ➢ अलीक - मनुष्यता

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td>आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td rowspan="2">कुल अंक</td></tr>
<tr><td>प्रश्न</td><td>प्रश्न-प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)</td><td>१०</td><td rowspan="5">५०</td><td rowspan="5">स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन
कुल अंक : ५०</td><td rowspan="5">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>सूचनानुसार लिखे।</td><td>१०</td></tr>
</table>

★ संदर्भ-ग्रंथ :

- आधुनिक हिन्दी काव्य-प्रवृत्तियाँ : एक पुन:मूल्यांकन -डॉ. गणेश खरे , पुस्तक संसथान खरे , कानपुर ।
- हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा ।
- समकालीन हिन्दी कविता के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर - डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र , अमन प्रकाशन , कानपुर ।
- हिन्दी कविता : संवेदना के विविध आयाम - आनंदकुमार राय , अंकित पब्लिकेशन्स , जयपुर ।
- समकालीन हिंदी कवि और काव्य - डॉ. कल्याणचन्द्र , चिंतन प्रकाशन , कानपुर ।
- आधुनिक हिन्दी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय , क्वोलिटी बुक्स , कानपुर ।

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE (MAJOR) DSCM-HIN-102 (मुख्य हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : आधुनिक हिन्दी कहानी

पाठ्य-पुस्तक : ' कथा-कुसुम' संपादक : डॉ. भरत पटेल, विजयनगर

प्रकाशन : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत कराना | ➢ 'कथा-कुसुम' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख , पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं , सामाजिक समस्याओं , युगीन परिवेश आदि से छात्रों को परिचित कराना | ➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन , कहावतें , मुहावरें तथा वर्णनात्मक , विवरणात्मक , आत्मकथात्मक , पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत कराना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत होंगे | ➢ 'कथा-कुसुम' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख, पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं, सामाजिक समस्याओं, युगीन परिवेश, भाषा-सौष्ठव आदि से छात्र को परिचित होंगे | ➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन, कहावतें, मुहावरें तथा वर्णनात्मक, विवरणात्मक, आत्मकथात्मक, पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत होंगे	

❖ पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ हिन्दी कहानी : विकास-यात्रा ➢ हिन्दी कहानी : परिभाषा और तत्त्व ➢ पठित कहानियों की ससंदर्भ व्याख्या
२	➢ सद्गति - प्रेमचंद ➢ गुण्डा - जयशंकर प्रसाद ➢ तीसरी कसम अर्थात् मरे गए गुलफाम - फणीश्वरनाथ रेणु
३	➢ प्रायश्चित - भगवतीचरण वर्मा ➢ कर्मफल - यशपाल ➢ परमात्मा का कुत्ता - मोहन राकेश
४	➢ खिलौने - भीष्म साहनी ➢ वापसी - उषा प्रियंवदा ➢ वैष्णव की फिसलन - हरिशंकर परसाई

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

संदर्भ-ग्रंथ :

- हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - संपा. वेदप्रकाश अमिताभ , मधुवन प्रकाशन , मथुरा |
- हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
- हिन्दी कहानी संरचना और संवेदना : डॉ॰ साधना शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
- काहानीकार प्रेमचंद रचना द्रष्टि और रचना शिल्प : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
- हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान : रामदरश मिश्र

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (MINOR) DSEMI-HIN-101 (गौण हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : आधुनिक हिन्दी काव्य

पाठ्य-पुस्तक : 'पद्य परिमल' संपादक : डॉ. सुभाष तलेकर

प्रकाशन : जगत भारती, इलाहाबाद |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ छात्रों को काव्य के मुक्तक स्वरूप से परिचित कराना | ➢ छात्रों को काव्य में निरुपित राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना से अवगत कराना | ➢ छात्रों को काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी देकर समाज और राष्ट्र के उत्थान की प्रेरणा देना | ➢ छात्रों को काव्य में निरुपित विभिन्न विषयों , संवेदनाओं , भावनाओं से रूबरू कराकर उनके प्रति भावात्मक सम्बन्ध स्थापित करना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ छात्र काव्य के मुक्तक स्वरूप से परिचित होंगे | ➢ छात्र काव्य में निरुपित राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना से अवगत होंगे | ➢ छात्र काव्य के माध्यम से नैतिक मूल्यों की जानकारी प्राप्त कर समाज और राष्ट्र के उत्थान की प्रेरणा प्राप्त करेंगे | ➢ छात्र काव्य में निरुपित विभिन्न विषयों , संवेदनाओं , भावनाओं से रूबरू होकर उनके प्रति भावात्मकता के साथ जुड़ेंगे	

पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ आधुनिक हिन्दी काव्य की विशेषताएँ ➢ पठित काव्य-रचनाओं की ससंदर्भ व्याख्या
२	➢ भारतेन्दु हरिश्चंद्र -मुकरी ➢ हरिऔध - एक बूँद ➢ मैथलीशरण गुप्त- नवयुवकों से ➢ सुमित्रानंदन पंत - जीवन का अधिकारी ➢ सुभद्राकुमारी चौहान - मेरा जीवन
३	➢ रामधारीसिंह 'दिनकर'- कलम और तलवार ➢ हरिशवंशराय बच्चन - प्रार्थना मत कर ➢ रामेश्वरशुल्क 'अञ्चल'- कांटे कम से कम मत बोओ ➢ भवानीप्रसाद मिश्र - तीर्थयात्री ➢ कुसुम अंसल - वृंदावन
४	➢ जयप्रकाश कर्दम - एक बार फिर आओ ➢ डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल - गज़ल : ज्यो लक्ष्य है मिलेगा ➢ एकांत श्रीवास्तव - गुड़ाई करते समय ➢ अलीक - मनुष्यता

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

<table>
<tr><td colspan="4">बाह्य परीक्षा</td><td>आंतरिक कार्य परीक्षा</td><td rowspan="2">कुल अंक</td></tr>
<tr><td>प्रश्न</td><td>प्रश्न-प्रकार</td><td>अंक विभाजन</td><td>कुल अंक</td><td>मूल्यांकन प्रकार एवं अंक</td></tr>
<tr><td>१</td><td>निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)</td><td>१०</td><td rowspan="5">५०</td><td rowspan="5">स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन
कुल अंक : ५०</td><td rowspan="5">१००</td></tr>
<tr><td>२</td><td>स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>३</td><td>संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>४</td><td>संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>५</td><td>सूचनानुसार लिखे।</td><td>१०</td></tr>
</table>

❖ संदर्भ-ग्रंथ :

- आधुनिक हिन्दी काव्य-प्रवृत्तियाँ : एक पुन:मूल्यांकन -डॉ. गणेश खरे , पुस्तक संसथान खरे , कानपुर ।
- हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा ।
- समकालीन हिन्दी कविता के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर - डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र , अमन प्रकाशन , कानपुर ।
- हिन्दी कविता : संवेदना के विविध आयाम - आनंदकुमार राय , अंकित पब्लिकेशन्स , जयपुर ।
- समकालीन हिंदी कवि और काव्य - डॉ. कल्याणचन्द्र , चिंतन प्रकाशन , कानपुर ।
- आधुनिक हिन्दी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय , क्वोलिटी बुक्स , कानपुर ।

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

MULTI DISCIPLINARY COURSE MD-HIN-101

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : मानविकी और साहित्य (हिन्दी कहानी-साहित्य)

पाठ्य-पुस्तक : 'कथामृत' संपादक : डॉ. अर्जुन तडवी , पाटण

प्रकाशन : चिन्तन प्रकाशन , कानपुर |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत कराना | ➢ 'कथामृत' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख , पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं , सामाजिक समस्याओं , युगीन परिवेश आदि से छात्रों को परिचित कराना | ➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन , कहावतें , मुहावरें तथा वर्णनात्मक , विवरणात्मक , आत्मकथात्मक , पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत कराना |
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत होंगे | ➢ 'कथामृत' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख , पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं , सामाजिक समस्याओं , युगीन परिवेश , भाषा-सौष्ठव आदि से छात्र को परिचित होंगे | ➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन , कहावतें , मुहावरें तथा वर्णनात्मक , विवरणात्मक , आत्मकथात्मक , पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत होंगे |

पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा ' गुलेरी ' ➢ सवाशेर गेहूँ - प्रेमचंद
२	➢ आकाश-दीप - जयशंकर प्रसाद ➢ अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्र
३	➢ लालपान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु ➢ अमृतसर आ गया है - भीष्म साहनी
४	➢ वारिस - मोहन राकेश ➢ दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

संदर्भ-ग्रंथ :

- हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - संपा. वेदप्रकाश अमिताभ , मधुवन प्रकाशन , मथुरा |
- हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
- हिन्दी कहानी संरचना और संवेदना : डॉ॰ साधना शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
- काहानीकार प्रेमचंद रचना द्रष्टि और रचना शिल्प : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान : रामदरश मिश्र

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) तथा अन्य स्नातक (B. Com, B.Sc., B.B.A. etc) अनिवार्य हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

ABILITY ENHANCEMENT COURSE AEC-HIN-101

CREDIT (श्रेयांक) : २

विषय : हिन्दी साहित्य परिचय व् भाषा कौशल्य-१ (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम)

पाठ्य पुस्तक: गद्य विविधा, सम्पादक- हिंदी अध्ययन समिति, कच्छ विश्वविद्यालय- भुज . प्रकाशक- ज्ञान प्रकाशन,७/२०२,एल.आई.जी., आवास विकास, नौबस्ता,कानपुर, - २०८०२१ .

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ हिंदी कहानी के विषय में जानकारी देना. ➢ हिंदी भाषा के व्यहवारिक ज्ञान से अवगत होना. ➢ विद्यार्थियों को संक्षेपण और पल्लवन आदि का उपयोग और महत्त्व समझाना. ➢ सर्जनात्मक हिंदी से परिचित होना. विशेषत: शब्दावली से.
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से - ➢ छात्र कहानी के विषय में अध्ययन करना सीखेंगे. ➢ विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी के शब्द-प्रयोगों तथा संक्षेपण और पल्लवन आदि का उपयोग और महत्त्व समझेंगे | ➢ छात्र पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी प्राप्त करेंगे.

❖ पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ ईदगाह- प्रेमचंद ➢ वापसी- उषा प्रियंवदा
२	➢ पल्लवन (विचार विस्तार) ➢ संक्षेपण ➢ अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली का हिन्दीरूप

- पारिभाषिक शब्दावली:
  1. Abbreviation- संक्षिप्त रूप
  2. Above all- सर्वोपरि
  3. Above cited - ऊपर उद्दत
  4. Accept - स्वीकार करना
  5. Additional - अतिरिक्त

6. Adhoc - तदर्थ
7. Application - प्रार्थना पत्र
8. Approval - अनुमोदन
9. As directed - निदेशानुसार
10. Basic pay - मूल वेतन
11. Business - व्यापार, कारोबार
12. By order - के आदेश से
13. Capital - पूँजी, राजधानी
14. Carried forward - अग्रेषित शेष
15. Carry out - कार्यान्वित करना
16. Circular - परिपत्र
17. Census - जनगणना
18. Collaboration - सहयोग
19. Complaint book - शिकायत पेटी
20. Conference - सम्मलेन/ सभा
21. Confidential - गोपनीय
22. Copy enclosed - प्रतिलिपि संलग्न
23. Delay regretted - विलम्ब के लिए खेद
24. Document - लेख/ दस्तावेज़
25. Drafting - आलेखन/ प्रारूपण
26. Employee - कर्मचारी
27. Financial - वित्तीय
28. For guidance - मार्गदर्शन के लिए
29. Gazette - राजपत्र/ गजेट
30. High court - उच्च न्यायालय
31. Index - सूचकांक
32. Interview - साक्षात्कार
33. Journalist - पत्रकार
34. Keep pending - विचाराधीन रखें
35. Laboratory - प्रयोगशाला
36. May be considered - विचार किया जाय
37. Notification - अधिसूचना
38. No admission - प्रवेश निषेद
39. No Objection Certificate - अनापतिपत्र
40. Office Memorandum - कार्यालय आदेश
41. On deputation - प्रतिनियुक्ति पर
42. Report writing - प्रतिवेदन

43. Show cause notice - कारण दर्शक नोटिस
44. Technology - प्रोद्योगिकी
45. Under consideration - विचारधीन
46. Vice Chancellor - कुलपति
47. Department of Atomic Energy - परमाणु ऊर्जा विभाग
48. Department of Revenue - राजस्व विभाग
49. Ministry of Defence - रक्षा मंत्रालय
50. Ministry of Education - शिक्षा मंत्रालय

प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

सहायक ग्रंथ : सहायक ग्रंथ :

- कहानी: नयी कहानी, नामवरसिंह
- नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर
- हिंदी कहानी का विकास, देवेश ठाकुर
- नयी कहानी सन्दर्भ और प्रकृति , देवीशंकर अवस्थी
- हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, डॉ, वेदप्रकाश अभिताभ
- साहित्यशास्त्र, डॉ ओमप्रकाश गुप्त तथा डॉ. गोवर्धन बंजार

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

SKILL ENHANCEMENT COURSE SEC-HIN-101

CREDIT (श्रेयांक) : 2

विषय : मीडिया लेखन और कला (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ मीडिया-लेखन कला समाज के विभिन्न वर्गों, सत्ता केन्द्रों, व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच पुल का कार्य करता है	आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, टेलिविजन, रेडियो, इंटरनेट, साक्षात्कार आदि है	किसी भी देश की उन्नति और विकास में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान है	इस पाठ्यक्रम का हेतु विद्यार्थी मीडिया के विभिन्न आयामों तथा उनके सैद्धांतिक एवं कौशल्य से परिचित कराना है	जैसे - ➢ जनसंचार माध्यमों का परिचय देना | ➢ समाज के विकास में जनसंचार माध्यमों के योगदान सिद्ध करना | ➢ छात्रों में मीडिया लेखन कौशल्य विकसित करना | ➢ छात्रों को मीडिया क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करना | ➢ छात्र की भाव एवं विचाराभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करना | ➢ छात्र को व्यावहारिक जीवन के विविध क्षेत्रों में सार्थकता सिद्ध करना	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)	पाठ्यक्रम के अध्ययन से - ➢ छात्र जनसंचार माध्यमों से परिचित होंगे	 ➢ छात्र समाज के विकास में जनसंचार माध्यमों के अवदान से परिचित होंगे	 ➢ छात्रों में मीडिया लेखन कौशल्य का संवर्धन होगा	 ➢ छात्र मीडिया क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करेंगे	 ➢ छात्र की भाव एवं विचाराभिव्यक्ति की क्षमता विकसित और संवर्धित होगी	 ➢ छात्र व्यावहारिक जीवन के विविध क्षेत्रों में सार्थकता प्राप्त करेंगे	

❖ <u>पाठ्यक्रम संरचना</u>

क्रम	पाठ्य-विषय
इकाई : १	लेखन की अवधारण और मीडिया-लेखन के सिद्धांत
	प्रभावशाली मीडिया लेखन के बिंदु
	मीडिया-लेखक के गुण
	मीडिया-लेखन के प्रकार
	जनसंचार माध्यम की भाषा
	समाचार लेखन के स्रोत
	समाचार लेखन की रुपरेखा
	उद्‌घोषणा का अर्थ, रूप एवं उसके लेखन बिंदु
इकाई : २	फीचर-लेखन से अभिप्राय और पद्धति (प्रक्रिया)
	फीचर-लेखन के प्रकार
	फीचर-लेखन की विशेषताएँ
	फिल्म लेखन के तत्व
	विज्ञापन की परिभाषा और प्रकार
	विज्ञापन लेखन के बिंदु
	साक्षात्कार का स्वरुप और प्रकार
	साक्षात्कार लेखन की प्रक्रिया

❖ प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

❖ सहायक ग्रंथ :

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
- मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
- प्रिंट मीडिया लेखन डॉ. हरीश अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
- जनसंचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
- समाचार संपादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. अर्जुन तडवी और अन्य, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद |

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) I

VALUE ADDITION COURSE VAC-HIN-101

CREDIT (श्रेयांक) : 2

विषय :पर्यावरण चिंतन (मूल्यवर्धन पाठ्यक्रम)

पाठ्य पुस्तक: पर्यावरण और मानव अधिकार, संपादक-डॉ. पूर्णिमा आर,

प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ भारतीय दर्शन यह मानता है कि इस देह की रचना पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटकों- पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश से ही हुई है। ➢ हमारी धरती माता वर्तमान में पर्यावरण संबंधी चिंताओं का सामना कर रही है। ➢ पृथ्वी के सभी जैविक और अजैविक घटक संतुलन की अवस्था में रहे। अदृश्य आकाश (द्युलोक) नक्षत्र युक्त दृश्य आकाश (अंतरिक्ष), पृथ्वी एवं उसके सभी घटक जल, औषधियाँ, वनस्पतियाँ, संपूर्ण संसाधन (देव) एवं ज्ञान संतुलन की अवस्था में रहे, तभी व्यक्ति शांत एवं संतुलित रह सकता है।
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में राष्ट्रीय भावना संवर्धित-परिवर्धित होगी । ➢ छात्रों में राष्ट्रहित और देश-प्रेम की भावना बलवत्तर होगी । ➢ भोगवादी प्रवृति के कारण हमने इसका इस हद तक शोषण कर लिया है कि अब हमारा अपना अस्तित्व ही संकट में पड़ने लगा है।

❖ <u>पाठ्यक्रम संरचना-</u> निबंध एवं मुद्दे

इकाई क्रम	विषय वस्तु
१	परिकल्पना, आवश्यकता, संसाधन, बाढ़, सूखा, पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता, प्रदूषण, मानवाधिकार १. हमारे जीवन में वनों का महत्व- कन्हैयालाल मुंशी, २. पानी की प्रार्थना- केदारनाथ सिंह.
२	३. पर्यावरण और सांस्कृतिक संकट- गोविन्द चातक, ४. इक्कीसवी शताब्दी की ओर- अरुण कमल. ५. अर्जी- उदय प्रकाश, ६. विनाश दूत- मृदुला गर्ग.

प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

Semester-II

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE (MAJOR) DSCM-HIN-201 (मुख्य हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : आधुनिक हिन्दी खण्डकाव्य

पाठ्य-पुस्तक : 'शबरी' (खंडकाव्य) कवि : नरेश मेहता

प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ 'शबरी' खंडकाव्य में टूटते मानवीय मूल्यों की पुनः स्थापना की गई है। अहिंसा, त्याग सेवा जैसे मूल्य निखरकर पाठकगण के सामने आए हैं। विद्यार्थी जीवन में इन मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर सकें। ➢ 'शबरी' खंडकाव्य सामाजिक समस्याओं को लेकर हमारे सामने आता है। इन समस्याओं के बीच यहां मानवीयता को प्रस्थापित किया गया है। विद्यार्थियों में इस मानवतावादी दृष्टि का विकास हो। ➢ 'शबरी' खंडकाव्य में कर्म-दृष्टि को महत्व दिया गया है। जन्मगत निम्नवर्गीयता से लड़कर व्यक्ति अपने कर्म के जरिए उर्ध्वता को प्रदान कर सकता है। विध्यार्थी इस विचार से अनुग्रहित होकर ऊंच-नीच के भेद से परे ऊर्ध्वगामी समाज की संरचना में योग दे पाएँ।
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ विद्यार्थी पौराणिक कथा के माध्यम से आधुनिक समस्याओं से अवगत हो पाएंगे। ➢ विद्यार्थी जीवन में मानवीय मूल्यों के महत्व को जान पाएंगे। ➢ विद्यार्थी सामाजिक भेदभाव से परे प्रगतिशील समाज की रचना में योगदान दे पाएंगे। ➢ विद्यार्थी कर्म के महत्व को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम संरचना

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ 'शबरी ' : कवि नरेश मेहता का सामान्य परिचय ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य की संदर्भ सहित व्याख्या ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य की कथावस्तु ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य का काव्य-सौंदर्य
२	➢ खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'शबरी ' की समीक्षा ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य की पात्र-सृष्टि ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य का प्रमुख पात्र शबरी
3	➢ 'शबरी ' खंडकाव्य के ऋषि मतंग ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य के पात्र : राम,लक्ष्मण एवं अन्य पात्र ➢ शबरी ' खंडकाव्य में आधुनिक बोध
4	➢ 'शबरी ' खंडकाव्य में मानवीय मूल्यों की स्थापना ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य में कर्म-दृष्टि के द्वारा वैचारिक उर्ध्दता ➢ 'शबरी ' खंडकाव्य का उद्देश्य

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

संदर्भ ग्रंथ:-

- नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्व यात्रा, रामकमल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नरेश मेहता का रचना संसार, प्रभाकर श्रोत्रिय, साहित्य अकादमी, दिल्ली

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

DISCIPLINE SPECIFIC COURSE (MAJOR) DSCM-HIN-202 (मुख्य हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : हिन्दी उपन्यास

पाठ्य-पुस्तक : ' गंगामैया ' (उपन्यास) लेखक : भैरवप्रसाद गुप्त

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन , इलाहाबाद (प्रयागराज) |

पाठ्यक्रम के हेतु (Course Objectives)	➢ छात्रों को आँचलिक उपन्यास के स्वरूप और विषय की जानकारी देना | ➢ छात्रों को ' गंगामैया ' उपन्यास में निरुपित अंचल विशेष और उसकी परिस्थितियों से अवगत कराना | ➢ छात्रों को ' गंगामैया ' उपन्यास में निरुपित समाज विशेष की प्रथाओं , परम्पराओं , रीति-रिवाजों , विभिन्न समस्याओं , रहन-सहन ,तीज-त्यौहारों , पात्रों की विशेषताओं-दुर्बलताओं आदि से परिचित कराना | ➢ छात्रों को ' गंगामैया ' उपन्यास में वर्णित भाषा , लोकबोली , कहावतों , मुहावरों , लोकोक्तियों , लोकगीतों आदि से रूबरू कराना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ छात्र आँचलिक उपन्यास के स्वरूप और विषय की जानकारी प्राप्त करेंगे | ➢ छात्र ' गंगामैया ' उपन्यास में निरुपित अंचल विशेष और उसकी परिस्थितियों से अवगत होंगे | ➢ छात्र ' गंगामैया ' उपन्यास में निरुपित समाज विशेष की प्रथाओं , परम्पराओं , रीति-रिवाजों , विभिन्न समस्याओं , रहन-सहन ,तीज-त्यौहारों , पात्रों की विशेषताओं-दुर्बलताओं आदि से परिचित होंगे | ➢ भाषा-साहित्य के छात्र' गंगामैया ' उपन्यास में वर्णित भाषा , लोकबोली , कहावतों , मुहावरों , लोकोक्तियों , लोकगीतों आदि से रूबरू होंगे	

पाठ्यक्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ उपन्यासकार भैरवप्रसाद गुप्त का सामान्य परिचय ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास : ससंदर्भ व्याख्या ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास का कथासार ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास की कथ्यगत विशेषताएँ
२	➢ ' गंगामैया ' उपन्यास की तात्त्विक समीक्षा ➢ गंगामैया ' उपन्यास का उद्देश्य ➢ गंगामैया ' उपन्यास के प्रमुख परुष पात्र
३	➢ ' गंगामैया ' उपन्यास के प्रमुख स्त्री पात्र ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास के अन्य गौण पात्र ➢ गंगामैया ' उपन्यास में वर्णित समस्याएँ
४	➢ ' गंगामैया ' उपन्यास की आँचलिकता ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास का भाषा-सौष्ठव ➢ ' गंगामैया ' उपन्यास का शिल्प-सौन्दर्य

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

संदर्भ-ग्रंथ

- संघर्षशील जीवन का नाम भैरवप्रसाद गुप्त - डॉ. राजेन्द्र अग्रवाल
- मेरी साहित्य-यात्रा - भैरवप्रसाद गुप्त
- भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्त्व और रचनाकार - संपा. विद्याधर शुक्ल

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (MINOR) DSEMI-HIN-201 (गौण हिन्दी)

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : आधुनिक हिन्दी कहानी

पाठ्य-पुस्तक : 'कथा-कुसुम 'संपादक : डॉ. भरत पटेल , विजयनगर

प्रकाशन : पार्श्व पब्लिकेशन , अहमदाबाद |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत कराना | ➢ 'कथा-कुसुम' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख , पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं , सामाजिक समस्याओं , युगीन परिवेश आदि से छात्रों को परिचित कराना | ➢ भाषा-साहित्य के छात्रों को कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन , कहावतें , मुहावरें तथा वर्णनात्मक , विवरणात्मक , आत्मकथात्मक , पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत कराना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी की विकास-यात्रा तथा कहानी विधा के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत होंगे | ➢ 'कथा-कुसुम' में संकलित कहानियों में निरूपित घटनाओं, वैयक्तिक सुख-दु:ख , पात्रों की स्वभावगत विशेषताओं-दुर्बलताओं , सामाजिक समस्याओं , युगीन परिवेश , भाषा-सौष्ठव आदि से छात्र को परिचित होंगे | ➢ भाषा-साहित्य के छात्र कहानी के भाषा-सौष्ठव के अंतर्गत शब्द-चयन , कहावतें , मुहावरें तथा वर्णनात्मक , विवरणात्मक , आत्मकथात्मक , पत्रात्मक संवादात्मक जैसी शैलियों से अवगत होंगे	

पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ हिन्दी कहानी : विकास-यात्रा ➢ हिन्दी कहानी : परिभाषा और तत्त्व ➢ पठित कहानियों की ससंदर्भ व्याख्या
२	➢ सद्गति - प्रेमचंद ➢ गुण्डा - जयशंकर प्रसाद ➢ तीसरी कसम अर्थात् मरे गए गुलफाम - फणीश्वरनाथ रेणु
३	➢ प्रायश्चित - भगवतीचरण वर्मा ➢ कर्मफल - यशपाल ➢ परमात्मा का कुत्ता - मोहन राकेश
४	➢ खिलौने - भीष्म साहनी ➢ वापसी - उषा प्रियंवदा ➢ वैष्णव की फिसलन - हरिशंकर परसाई

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

संदर्भ-ग्रंथ :

- हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - संपा. वेदप्रकाश अमिताभ , मधुवन प्रकाशन , मथुरा |
- हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
- हिन्दी कहानी संरचना और संवेदना : डॉ॰ साधना शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
- हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान : रामदरश मिश्र , वाणी प्रकाशन , नई दिल्

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

MULTI DISCIPLINARY COURSE MD-HIN-201

CREDIT (श्रेयांक) : 4

विषय : मानविकी और साहित्य (हिन्दी उपन्यास)

पाठ्य-पुस्तक : 'रात का सफ़र' (उपन्यास) लेखक : रामदरश मिश्र

प्रकाशन : साहित्य भारती, दिल्ली (२००४) |

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	साहित्य के उद्देश्यों में मानविकी (मानवता) का अहम् स्थान है	साहित्य समाज को कथा या भाव द्वारा प्रतीकात्मक रूप से मानव-जीवन को विकसित एवं समृद्ध करता है	वतर्मान समय में पारिवारिक, सामाजिक एवं नैतिक रूप से व्यक्ति और समाज स्तरहीन होता जा रहा है	ऐसे में साहित्य की अनेकविध विधाओं में प्रतीकात्मक रूप से वैयक्तिक एवं सामाजिक जीवन की सार्थकता प्रचारित-प्रसारित की जाती है	आधुनिक युग में उपन्यास-साहित्य इस क्षेत्र में बलवत्तर है	इस पाठ्यक्रम के बहुविध हेतु हैं : ➢ उपन्यासकार के मानविकी जीवन और व्यक्तित्व का परिचित देना | ➢ उपन्यासकार के अवदान से अवगत करना | ➢ बहुविध चरित्र को चित्रित करना | ➢ पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास की शिल्पगत विशेषताएँ स्पष्ट करना | ➢ वर्तमान समाज का पारिवारिक, सामाजिक एवं नैतिक जीवन से अवगत करना ➢ जीवन की बहुविध समस्याओं का परिचय देना | ➢ सर्वांगी विकास में मानवता की अहमियत स्थापित करना	
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	पाठ्यक्रम के अध्ययन से - ➢ छात्र उपन्यासकार के मानविकी जीवन और व्यक्तित्व से परिचित होंगे	 ➢ छात्र उपन्यासकार के अवदान को समझेंगे	 ➢ छात्रों में उदात्त चरित्र की स्थापना होगी	 ➢ छात्रों में पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास की शिल्पगत विशेषताएँ स्पष्ट होंगी	 ➢ छात्रों का पारिवारिक, सामाजिक एवं नैतिक जीवन शिस्तबद्ध होगा	 ➢ छात्र जीवन की विसंगतियों से परिचित होंगे	 ➢ छात्रों में मानवतावादी दृष्टिकोण स्थापित होगा	

❖ पाठ्यक्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ मानवता के पक्षधर रामदरश मिश्र (रामदरश मिश्र का जीवन एवं व्यक्तित्व) ➢ उपन्यासकार रामदरश मिश्र ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास का कथा-सार ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास का शीर्षक ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास का तात्त्विक परिचय ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास की कथागत संरचना
२	➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास की भाषागत विशेषताएँ ➢ 'रात का सफ़र ' उपन्यास का शैली-शिल्प ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास के पुरूष पात्र : सामान्य परिचय
३	➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास का नायक : दिनेश ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास की नायिका : ऋतु ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास के राकेश
४	➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास में निरूपति असफल वैवाहिक जीवन ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास में निरूपति समस्याएँ और मानवतावादी दृष्टिकोण ➢ ' रात का सफ़र ' उपन्यास में व्यक्त नारी-चेतना

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

बाह्य परीक्षा				आंतरिक कार्य परीक्षा	कुल अंक
प्रश्न	प्रश्न-प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक	मूल्यांकन प्रकार एवं अंक	
१	निबंधात्मक प्रश्न (अ के विकल्प में ब)	१०	५०	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : ५०	१००
२	स-संदर्भ व्याख्या (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प में ब)	१०			
३	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
४	संक्षिप्त टिप्पण (अ के विकल्प में अ तथा ब के विकल्प ब में)	१०			
५	सूचनानुसार लिखे।	१०			

★ संदर्भ-ग्रंथ :

- रामदरश मिश्र की उपन्यास-यात्रा : डॉ. प्रभुलाल डी. वैश्य, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद |
- रामदरश मिश्र के उपन्यास : चेतना के स्वर : साहित्य भारती, दिल्ली |
- रामदरश मिश्र एक अंतर्यात्रा : डॉ. प्रकाश मनु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
- रामदरश मिश्र के उपन्यासों की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. सीमा वैश्य, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- रामदरश मिश्र में उपन्यासों में गृह-परिवार : डॉ. यशवंत गोस्वामी, नया साहित्य केंद्र, दिल्ली |
- रामदरश मिश्र में उपन्यासों में नारी : डॉ. मनहर गोस्वामी, नया साहित्य केंद्र, दिल्ली |

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) तथा अन्य स्नातक (B. Com, B.Sc., B.B.A. etc) अनिवार्य हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) २

ABILITY ENHANCEMENT COURSE AEC-HIN-201

CREDIT (श्रेयांक) : 2

विषय : हिन्दी गद्य साहित्य परिचय व् भाषा कौशल्य-२ (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम)

पाठ्य पुस्तक: गध्य विविधा, सम्पादक- हिंदी अध्ययन समिति, कच्छ विश्वविद्यालय- भुज . प्रकाशक- ज्ञान प्रकाशन,७/२०२,एल.आई.जी., आवास विकास, नौबस्ता,कानपुर, - २०८०२१ .

पाठ्य-क्रम का उद्देश्य (Course Objective)	➢ हिंदी गद्य के अन्य स्वरुप के विषय में जानकारी देना. ➢ हिंदी भाषा के व्यहवारिक ज्ञान से अवगत होना. ➢ विद्यार्थियों को पत्र लेखन से अवगत करवाना ➢ सर्जनात्मक हिंदी से परिचित होना. विशेषत कहावते व् मुहावरों से
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से - ➢ छात्र एकांकी, निबंध, व्यंग्य आलेख तथा संस्मरण के विषय में अध्ययन करना सीखेंगे. ➢ विद्यार्थी पत्र लेखन (व्यक्तिगत, व्यवसायिक, आवेदन) का उपयोग और महत्त्व समझेंगे| ➢ छात्र चुनिन्दा हिंदी कहावतों तथा मुहावरों की जानकारी प्राप्त करेंगे.

❖ पाठ्य-क्रम संरचना :

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	➢ महाभारत की एक सांझ (एकांकी)- भारतभूषण अग्रवाल ➢ अपनी अपनी हैसियत (व्यंग्य आलेख)- हरिशंकर परसाई
२	➢ पत्र लेखन के प्रकार एवं स्वरुप ➢ व्यक्तिगत, आवेदन, व्यवसायिक ➢ हिंदी मुहावरे ➢ हिंदी कहावतें

- हिंदी मुहावरे-

1. आंख का तारा होना- बहुत प्यारा होना
2. खून का प्यासा होना - जानी दुश्मन हो ना
3. खून ठंडा होना- उत्साह से रहित होना या भाई भी तो होना
4. गढ़ फतह करना- कठिन काम करना
5. गधे को बाप बनाना- काम निकालने के लिए मूर्ख की खुशामद करना
6. घर-घाट एक करना- कठिन परिश्रम करना
7. दिन गवाना- समय नष्ट करना
8. पासा पलटना - स्थिति उलट जाना
9. पीछा छुड़ाना- जान छुड़ाना
10. आग बबूला होना - अत्यंत क्रोधित होना
11. धरना देना - अड़कर बैठना
12. दीवारों के कान होना - किसी गोपनीय बात के प्रकट हो जाने का खतरा
13. थक कर चूर होना - बहुत थक जाना
14. तिनके का सहारा - थोड़ी सी मदद
15. डंका बजाना - प्रभाव जमाना
16. टांग अड़ाना - अड़चन डालना
17. जूते पड़ना- बहुत निंदा हो ना/ बहुत अपमानित होना
18. छोटा मुंह बड़ी बात- हैसियत से अधिक बात करना
19. जख्मों पर नमक छिड़कना- दुखी या परेशान को और ज्यादा परेशान करना
20. टक्कर खाना - बराबरी करना
21. ठिकाने लगाना - मार डालना
22. डंके की चोट पर कहना - खुलकर कहना
23. दिल बाग-बाग होना - अत्यधिक हर्ष होना
24. धब्बा लगना - कलंकित होना
25. चार चांद लगना- शोभा बढ़ाना

- हिंदी कहावतें-

1. अधजल गगरी छलकत जाए- थोड़ी जानकारी वाला, बढ़ चढ़कर बोलता है
2. घर की मुर्गी दाल बराबर- अपने पास की चीज का महत्व नहीं होता
3. चोर चोर मौसेरे भाई - बुरे आदमियों का परस्पर संबंध हो जाता है
4. डूबते को तिनके का सहारा- असहाय को थोड़ा भी सहारा काफी होता है
5. एक पंथ दो काज- एक बार में दो काम होना
6. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता- अकेला आदमी कोई बड़ा काम नहीं कर सकता
7. आंख का अंधा गांठ का पूरा- मूर्ख व्यक्ति धनवान होना
8. जिसकी लाठी उसकी भैंस- बलवानो का बोलबाला
9. काला अक्षर भैंस बराबर- अनपढ़ होना

10. एक और एक ग्यारह होते हैं- एकता में बहुत शक्ति होती है
11. अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना- अपना ही नुकसान स्वयं करना
12. गिरगिट की तरह रंग बदलना- अपना व्यवहार बदलते रहना
13. जैसी करनी वैसी भरनी- कार्य के अनुसार परिणाम मिलना
14. सौ सुनार की एक लोहार की- बलवान का एक प्रयास ही काफी है
15. आंखों का पानी ढलना- बेशर्म होना
16. अंगारों पर पैर रखना- जोखिम लेना
17. गुड होगा तो मक्खियां भी आएंगी- यदि धन होगा तो मुफ्त में खाने वाले भी पास आएंगे
18. सो सयाने एक मत- बुद्धिमान लोग एकमत होकर काम करते हैं
19. अपनी नींद सोना अपनी नींद जागना- स्वतंत्र होना
20. आज का बनिया कल का सेठ- काम करने से आदमी बड़ा हो जाता है
21. आग लगने पर कुआं खोदना- पहले से ही कोई उपाय न रखना
22. आसमान के तारे तोड़ना- असंभव कार्य करना
23. नदी-नाव का संयोग- दुर्लभ मिलाप
24. चप्पा-चप्पा छान डालना- हर एक जगह देखना
25. बाजू में छोरा नगर में ढिंढोरा- जो पास है उसे दूर दूर ढूंढना

❖ प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

सहायक ग्रंथ : सहायक ग्रंथ :

- कहानी: नयी कहानी, नामवरसिंह
- नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर
- हिंदी कहानी का विकास, देवेश ठाकुर
- नयी कहानी सन्दर्भ और प्रकृति , देवीशंकर अवस्थी
- हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, डॉ, वेदप्रकाश अभिताभ
- साहित्यशास्त्र, डॉ ओमप्रकाश गुप्त तथा डॉ. गोवर्धन बंजारा
- आधुनिक हिंदी व्याकरण- वासुदेव नंदन प्रसाद
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉक्टर रामगोपाल सिंह
- हिंदी मुहावरा कोश -डॉ. भोलानाथ तिवारी
- हिंदी कहावत कोश - डॉ. शरत अग्रवाल

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

SKILL ENHANCEMENT COURSE SEC-HIN-201

CREDIT (श्रेयांक) : 2

विषय : कम्प्यूटर अनुप्रयोग (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ हम सूचनाओं के युग में जी रहे हैं और यह सूचनाएं अधिकतर डिजिटल रूप में हमारे सामने आती हैं । ऐसी तमाम सूचनाएं कंप्यूटर प्रोसेसिंग के जरिए प्राप्त होती हैं । सहज ,सरल और त्वरित रूप में कंप्यूटर सूचनाएं हम तक पहुंचाता है । छात्र सूचनाओं के महत्व से अवगत हों । ➢ आज कंप्यूटर मात्रा माउस और की बोर्ड तक सीमित नहीं रहा। यह जीवन के हरक्षेत्र में अपनी उपयोगिता दर्ज करवा रहा है । कंप्यूटर हमारे जीवन को दिन-ब-दिन सरल बनता जा रहा है । छात्रा कंप्यूटर के इस व्यापक परिदृश्य को समझ सकें। ➢ कंप्यूटर जीवन को बड़े स्तर पर प्रभावित कर रहा है । ऐसे में इसके प्रति जानकारी आवश्यक है । कंप्यूटर के प्रयोग के लिए यह समझना जरूरी है यह काम किस तरह करता है । विद्यार्थियों में यह समझ विकसित हो पाए ।
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)	➢ विद्यार्थी जीवन में कंप्यूटर के महत्व से अवगत हो पाएंगे। ➢ विद्यार्थी कंप्यूटर के आश्चर्यचकित कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे। ➢ विद्यार्थी कंप्यूटर के उपयोग से रोजगार के नए अवसर तलाश पाएंगे। ➢ कंप्यूटर शिक्षण के माध्यम से देश-विदेश के ज्ञान और आविष्कार को जानना विद्यार्थियों के लिए सहज होगा। ➢ विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षण के जरिये टेक्नोलॉजी तथा विज्ञान के विकास में उचित योगदान दे पाएंगे।

पाठ्यक्रम संरचना:

इकाई क्रम	विषय-वस्तु
१	• कंप्यूटर का परिचय । • कंप्यूटर का इतिहास। • कंप्यूटर की विशेषताएँ। • कंप्यूटर की पीढ़ियाँ। • कंप्यूटर की कार्य-प्रणाली । • कंप्यूटर की स्मृति । • कंप्यूटर में हिंदी भाषा का विकास और इतिहास । • भारत में कंप्यूटर की शुरुआत ।
२	• कंप्यूटर की भाषा। • कंप्यूटर सॉफ्टवेयर । • कंप्यूटर नेटवर्क । • इंटरनेट । • डब्लू डब्लू डब्लू (www) • इलेक्ट्रॉनिक मेल। • सर्च इंजन । • सोशल नेटवर्किंग साइट्स ।

प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

सहायक ग्रंथ :

- कंप्यूटर क्या है : गुणाकर मुले , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर अनुप्रयोग : निरंजन सहाय , राजकमल प्रकाशन , नईदिल्ली |
- कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर : पुनीत बिसारिया , डॉ. वीरेंद्रसिंह यादव , डॉ. योगेंद्रसिंह कुशवाहा , प्रभात प्रकाशन प्रा.ली. , दिल्ली- 2022।
- कंप्यूटर अनुप्रयोग : एस. बी. पी. डी. पब्लिकेशन , आगरा - 282002 , दूरभाष- (05622)854327, 25 27707, मो. 9358177555
- कंप्यूटर और पुस्तकालय : डॉ. पांडेय, एस. के. शर्मा, ग्रंथ अकादमी, 1659 पुराना दरियागंज, नई दिल्ली-110002

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

VALUE ADDITION COURSE VAC-HIN-201

CREDIT (श्रेयांक) : 2

विषय : व्यक्तित्व विकास (मूल्यवर्धन पाठ्यक्रम)

'संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास', संपादक : डॉ. पुनीत बिसरिया , डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, डॉ. यतेंद्र सिंह कुशवाह । प्रकाशक : नवजीवन प्रकाशन मंदिर , अहमदाबाद |

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ व्यक्तित्व एक जटिल एवं महत्वपूर्ण विषय है। व्यक्तित्व व्यक्ति की एक ऐसी विशेषता है, जो उसके अस्तित्व से संबंध रखती है। ➢ लगातार बदलती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक परिदृश्य की बदलती परिस्थितियां किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को एक साँचे में ढालने में अक्षम साबित हो रही है। ➢ इस स्पर्धा के युग में विद्यार्थी को साक्षात्कार विधि से अवगत करवा कर, उनके मानसिक भय में कमी कर, भविष्य में किसी भी प्रकार के साक्षात्कार में शिष्टापूर्ण आचरण के सामान्य नियमों की समझ विकसित करना आवश्यक है। ➢ देहभाषा और व्यवहार से व्यक्ति के मूल्यों, भावों को परखा जा सकता है। जिससे छात्र इस ज्ञान से अवगत हो सके तथा अपने और अन्य मानव व्यहवार को समझ सके। ➢ समाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य को अपने भावों, दृष्टिकोण आदि का आदान-प्रदान करने के लिए उत्तम संचार कौशल की आवश्यकता होती है। छात्र इस विषय के माध्यम से संचार के विभिन्न आयामों को बेहतर तरीके से समझ सकते है।
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ साक्षात्कार की तैयारी, शिष्टाचार प्रविधि आदि से छात्र अवगत होंगे। ➢ समूह चर्चा, प्रकार, महत्वपूर्ण बिन्दु, समूह चर्चा की समान्य त्रुटियों की जानकारी छात्रों के भावी भविष्य के लिए सहायक होगी। ➢ आत्म-जागरूकता, मानव व्यवहार, देह-भाषा में सांस्कृतिक भिन्नताएं, सोशल मीडिया के शिष्टाचार आदि की जानकारी छात्रों को प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम संचना

१	**साक्षात्कार हेतु तैयारी और समूह चर्चा** ➢ साक्षात्कार का अर्थ ➢ साक्षात्कार के प्रकार ➢ साक्षात्कार प्रविधि ➢ साक्षात्कार की तैयारी ➢ जीवन-वृत्त लेखन ➢ साक्षात्कार में सफलता पाने हेतु आवश्यक शिष्टाचार ➢ समूह चर्चा का अर्थ एवं प्रविधि ➢ समूह चर्चा के प्रकार ➢ सामूहिक चर्चा हेतु करणीय बिंदु ➢ समूह चर्चा की सामान्य त्रुटियां ➢ बहुविकल्पीय प्रश्न **देह भाषा और व्यवहार** ➢ मानव व्यवहार की अवधारणा ➢ व्यक्तिगत तथा सामूहिक व्यवहार ➢ आत्म जागरूकता ➢ व्यवहार एवं देह भाषा ➢ देह भाषा के आयाम ➢ देह भाषा में सांस्कृतिक भिन्नताएं ➢ व्यवसायिक शिष्टाचार और देह भाषा ➢ कोरोनाकाल के बाद की देह भाषा ➢ आभासी बैठक के शिष्टाचार ➢ सोशल मीडिया के शिष्टाचार ➢ बहुविकल्पीय प्रश्न
२	**उत्तम संचार की कला** ➢ संचार की प्रक्रिया ➢ संचार ➢ प्रभावी संचार के 7सी ➢ संचार की बाधाएं ➢ संचार प्रक्रिया ➢ संचार के प्रकार ➢ श्रवण कौशल ➢ प्रश्न पूछने की कला ➢ ईमेल लेखन ➢ बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			

★ संदर्भ ग्रंथ

- बैंक साक्षात्कार में सफलता कैसे?- उपकार प्रकाशन
- साक्षात्कार मार्गदर्शिका- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- साक्षात्कार सफलता के सूत्र- आर. गुप्ता
- साक्षात्कार कैसे हो तैयार? - शहरोज़

क्रान्तिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज

कलास्नातक (B. A.) हिन्दी

SEMESTER (छमाही / सत्र) II

EXIT COURSE

CREDIT (श्रेयांक) :

विषय : प्रयोजन मूलक कौशल

पाठ्य पुस्तक: "सामान्य हिन्दी"

लेखक: डॉ. केदार शर्मा

प्रकाशक: जैन प्रकाशन मंदिर

पाठ्यक्रम हेतु (Course Objectives)	➢ छात्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के कौशल को विकसित करना। ➢ छात्रों को कार्यालय पत्र लेखन, प्रारूप-लेखन, सार-लेखन आदि की जानकारी देना। ➢ अनुवादक की भूमिका और महत्व समझाना।
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (Course Learning Outcome)	➢ छात्र सामान्य हिन्दी के ज्ञान को प्राप्त करेंगे। ➢ किसी भी संस्थान में हिन्दी पद हेतु नौकरियों में आवेदन करने का ज्ञान प्राप्त हो पाएगा । ➢ हिन्दी पत्रालेखन का ज्ञान छात्रों के लिए लाभकारी होगा। ➢ छात्रों के हिन्दी लेखन में व्यवसायिक और नियमयुक्त हिन्दी का विकास होगा।

पाठ्यक्रम संरचना:

	1. संक्षिप्तीकरण 2. वृद्धिकरण अथवा 3. पल्लवन 4. पत्र-लेखन 5. कार्यालय-टिप्पणी 6. प्रारूप-लेखन 7. निविदा-सूचन लेखन 8. विज्ञापन-लेखन 9. अनुवाद 10. सार-लेखन 11. संवाद-लेखन

प्रश्नपत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन:-

प्रश्न संख्या	यूनिट	बाह्य परीक्षा प्रश्न रूप	अंक	बाह्य परीक्षा कुल अंक	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन एवं अंक	कुल अंक
१	१	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०	२५	स्वाध्याय,परियोजना, लिखित परीक्षा, ग्रुप-चर्चा आदि बहुविध पद्धति से मूल्यांकन कुल अंक : २५	५०
२	२	निबंधात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणी	१०			
३	१-२	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली)	०५			